# डॉ. रमेश टण्डन

छत्तीसगढ़ के जिला-रायगढ़, ग्राम- फूलबंधिया में स्थित एक निम्न वर्गीय किसान परिवार में पिता श्री कौशलप्रसाद टण्डन व माता श्रीमती फूलकुँवर टण्डन की कुटिया में एक बालक ने आपातकाल के वक्त ( 1975 ई. ) अंग्रेजी पांचांग के अनुसार नव वर्ष के तृतीय दिवस ( 03 जनवरी ) को अपने जीवन का आरम्भ करते हुए; चिमनी ( ढिबरी ) की रोशनी में, चारपाई में बैठकर अध्ययन संबंधी गृहकार्य एवं प्राथमिक विद्यालयीन अध्ययन को पूरा किया; माध्यमिक, उच्च माध्यमिक की पढ़ाई, बिना चप्पल के चार किलोमीटर की दूरी को पैदल तय करके ग्राम सोण्डका में प्रथम श्रेणी में पूरी की; अट्ठारह वर्ष छः महीने मात्र की उम्र से परिवार के भरण-पोषण के लिए नौकरी का आरम्भ करते हुए, इक्कीस वर्ष छः माह की सटीक उम्र की अवस्था में पूर्णिमा उर्फ पुरान से विवाह रचाकर दाम्पत्य जीवन में प्रवेश, तदुपरान्त पैतृक परिवार के साथ स्वयं के परिवार का लालन-पालन करते हुए स्वाध्यायी छात्र के रूप में स्नातक की उपाधि प्रथम श्रेणी में, स्नातकोत्तर की उपाधि प्रथम श्रेणी में, सेट, पी-एच. डी. की उपाधि हासिल की, वह है- इस पुस्तक के संपादक डॉ. रमेशकुमार टण्डन।

**मौलिक पुस्तकें** - 1. 'पीड़ा' ( काव्य- संग्रह ) सन् 2014 ई. में जयपुर से प्रकाशित।

**संपादित पुस्तकें** - 2. 'आधुनिक कालीन हिन्दी साहित्य में नारी-अस्मिता का धरातलीय सच' ( कुल पृष्ठ - 216 ) फरवरी 2020 ई. में रायपुर से प्रकाशित। 3. एम. ए. हिन्दी के लिए 'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा' ( कुल पृष्ठ - 360 ) मई 2020 में ( लॉक-डाउन की स्थिति में ) रायपुर से प्रकाशित। 4. एम. ए. हिन्दी के लिए 'भारतीय साहित्य', संस्करण: सितम्बर 2020।

**शोध-प्रबंध** - 5. 'साठोत्तरी हिन्दी निबन्धों में व्यंग्य: एक अनुशीलन' ( पी-एच.डी. कार्य ) कुल पृष्ठ - 617, 2005 ई.

आपके दर्जनों शोध-पत्र वाराणसी, जयपुर, मेरठ, हरिद्वार, नीमच, भिलाई, बिलासपुर स्थित अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। आपने अनेक शोध-संगोष्ठियों एवं वेबिनार में सहभागिता की है तथा शोध -पत्रों का वाचन किया है। आपकी अभिरूचि का क्षेत्र काव्य-लेखन है। अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में नवाचार में गहरी रूचि है।

सम्प्रति, महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया जिला- रायगढ़ छ.ग. में हिन्दी के सहायक प्राध्यापक हैं और शोध व लेखन कार्य में सक्रिय हैं। मोबाईल क्रमांक 9685671975 है।

ई-मेल पता - rameshktandan@gmail.com

## एम.ए. हिन्दी

# लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य

## (चतुर्थ सेमेस्टर-चतुर्थ प्रश्न पत्र)

डॉ. रमेश टण्डन

# लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य

डॉ. रमेश टण्डन

ISBN- 978-93-89989-86-1

●

प्रकाशक

**सर्वप्रिय प्रकाशन**

प्रथम मंजिल, चर्च रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली

मो. 9425358748

e-mail : sahityavaibhav@gmail.com

www.vaibhavprakashan.com

●

आवरण सज्जा : कन्हैया साहू

प्रथम संस्करण : सितम्बर २०२०

मूल्य : ३०० रुपये

कॉपी राइट : लेखकाधीन

LOK SAHITYA EVAM CHHATTISGARHI SAHITYA

BY : DR. RAMESH TANDAN

Published by

**Sarvapriya Prakashan**

First Floor, Church Road, Kashmiri Gate, Delhi

First Edition : September 2020

Price : Rs. 300.00

(प्रस्तुत पुस्तक के विभिन्न अध्यायों में लिखित पाठ्य सामग्री उसके लेखक/संकलनकर्त्ता के द्वारा एम ए हिन्दी में अध्ययनरत छात्रों के हित के लिए विभिन्न किताबों अथवा नेट से संकलित की गई है। अपने पाठ की पूर्णता के लिए इस पुस्तक के अध्याय लेखकों के द्वारा मूल किताबों अथवा परवर्ती संदर्भ/शोध ग्रंथों अथवा नेट से उद्धरण अथवा उदाहरण लिए गए हैं, अतः उन मूल किताबों अथवा परवर्ती संदर्भ/शोध ग्रंथों अथवा नेट के क्रमशः लेखकों अथवा संपादकों/शोध छात्रों अथवा अपलोडर्स का सर्वश्रेष्ठ आभार जिनकी पाठ्य सामग्री को यहाँ उद्धृत किया जा सका है। मौलिक तथ्यों/परिभाषा आदि में फेरबदल के लिए इस पुस्तक के संपादक अथवा प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होंगे अपितु अध्याय लेखक स्वयं जिम्मेदार होंगे तथा किसी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र खरसिया (छ.ग.) होगा।)

## समर्पण

### संत गुरू बाबा घासीदास

(आविर्भाव : 18.12.1756, तिरोभाव : 1850)

"परम पूज्य संत शिरोमणि गुरू बाबा घासीदास, जिनके नाम पर छत्तीसगढ़ का एक मात्र केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित है एवं जिन्हें सतनाम धर्म के प्रवर्तक और सतनामी समाज के गुरू के रूप में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक गीत/नृत्य – 'पंथी' के द्वारा पूजा जाता है, को यह 'लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य' समर्पित है"